ज्ञान विचार
'अपने भाग्य के बजाय अपनी मजबूती पर विश्वास करो.'
डॉ अंबेडकर

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 दिसम्बर 2022 वर्ष : 5, अंक : 16 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

हार्दिक स्वागत

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

लाडवा हल्के की जनता की सेवा करने से मन को मिलती है शांति: संदीप गर्ग

गांव ड़ंगाली में ग्रामीणों ने किया समाजसेवी संदीप गर्ग का फूल मालाओं से स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग सोमवार को बाबैन के गांव ड़ंगाली में ग्रामीणों से मिलने पहुंचे। जहां पर ग्रामीणों ने उनका फुल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

ग्रामीण डा. मुकेश कश्यप ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग जो समाज की भलाई के लिए नेक कार्य कर रहे हैं उनकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से लाडवा हल्के में तीन रसोईयां चलाई जा रही हैं, मोबाईल मेडिकल वैन चलाई जा रही है। जिसमें लोगों के ब्लड के टेस्ट किये जा रहे हैं। इसके अलावा अनेक गांवो में सिलाई सेंटर आदि भी खोले जा रहे

हैं। वहीं गांव में पहुंचे समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि लाडवा हल्के की जनता की सेवा करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि लाडवा हल्के के किसी भी व्यक्ति को वह दुखी व परेशान देखना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि अभी तक जो भी नेता हल्के में आए हैं, वह सिर्फ वोट की राजनीति करने के लिए जनता के बीच आते हैं। परंतु अपने पास से कुछ भी खर्च कर जनता की सेवा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले लगभग आठ वर्षों से लाडवा हल्के की जनता की सेवा में काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। इससे पूर्व उनका गांव ड़ंगाली में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर रोशन लाल, बालकिशन, जगमाल सिंह, बलविन्द्र सिंह, बीर सिंह, निर्मल सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र में विश्व स्तरीय श्री गुरु रदिवास धाम बनाए जाने की आस

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र में विश्व स्तरीय श्री गुरु रदिवास धाम बनाए जाने की आस लगाए बैठे रविदासिया समाज के लोगों को ठेस पहुंच रही है क्योंकि उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा कलायत व पंचकुला में रैली के मंच से इसकी घोषणा करते हुए अगले वर्ष से इसका कार्य शुरु करने की बातें कही गई लेकिन इस समाज के लोगों द्वारा बार-बार विभाग, मंत्रियों व सरकार के चक्कर काटने पर इसपर कोई बात नहीं की जा रही है बल्कि हालही में भिवानी में आयोजित रैली में भी उपमुख्यमंत्री ने धाम बनाए जाने की अपनी घोषणा को फिर से दोहराया। अब समाज के लोग तर्क देने लगे हैं कि कहीं यह घोषणा भी कागजों में ही सिमट कर न रह जाए। रविदासिया समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि यदि चुनावों से पहले घोषित मंदिर निर्माण शुरु नही हुआ तो अबकी बार रविदासिया समाज इनके किसी झांसे में नहीं आएगा और ऐसे नेताओं की किसी भी बात पर विश्वास भी नहीं करेंगे।

रणपत माथुर पूर्व प्रधान, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला,कुरुक्षेत्र

श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के पूर्व प्रधान रणपत माथुर ने कहा कि उप मुख्यमंत्री ने चुनावों से पहले कुरुक्षेत्र में पांच एकड़ में विशाल श्री गुरु रविदास धाम बनाने की घोषणा की थी। उप मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी घोषणा मुताबिक कुरुक्षेत्र में मंदिर की जगह अलाट कर धाम बनाने के लिए मुलाकात की गई लेकिन सिवाए आश्वासन के कुछ नही मिला। सरकार जल्द ही कुरुक्षेत्र में धाम की जमीन उपलब्ध करा निर्माण कार्य शुरु करे।

जरनैल सिंह रंगा एडवोकेट, पूर्व उप प्रधान श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला,कुरुक्षेत्र

श्री गुरू रविदास धर्मशाला कुरूक्षेत्र के पूर्व उपप्रधान जरनैल सिहं रंगा एडवोकेट ने बताया कि जमीन आवंटन के लिए सभा ने बड़ा लंबा संघर्ष किया। जजपा पार्टी द्वारा इस मांग को अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल किया गया और दुष्यंत चौटाला सरकार में उप मुख्यमंत्री बने। हमने चौटाला से मांग पूरी करने की बात कही। उपायुक्त कुरूक्षेत्र से लेकर मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित निदेशक पंचायत विभाग को इस बारे जरूरी कागजात उपलब्ध करवाने के साथ साथ सरकार का आभार प्रकट किया लेकिन अब यह घोषणा कागजों में सिमटती दिख रही है।

गुरदयाल सिंह प्रधान, श्री गुरु रविदास सभा, पिपली

श्री गुरु रविदास सभा पिपली के प्रधान गुरदयाल सिंह ने कहा की उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनावों में श्री गुरु रविदास जी का मंदिर पांच एकड़ में बनाने की घोषणा की थी। अब करीब चार वर्ष होने के बाद भी यह चुनावी घोषणा पूरी होती नजर नही आ रही है। हमें लगता है कि ऐसी घोषणाएं मात्र समाज को गुमराह करने के लिए की जाती है। विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला फिर वही राग अलापने लग गए हैं। अगर चुनावों से पहले घोषित मंदिर निर्माण शुरु नही हुआ तो रविदासिया समाज आगामी विधानसभा चुनाव में इनके किसी झांसे में नहीं आएगा और न ही इनकी किसी भी बात पर विश्वास करेगा।

गुरप्रीत कोबरा नंबरदार डेलीगेट, गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कुरुक्षेत्र

गुरप्रीत सिहं कोबरा नंबरदार डेलिकेट श्री गुरू रविदास मंदिर एंड धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र ने कहा कि यह रविदासिया समाज की सांझी मांग है जो सरकार को जल्द पूरी करनी चाहिए। श्री गुरु रविदास धाम के निर्माण समेत अन्य मांगों को लेकर भी पूर्व में भी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से चंडिगढ निवास पर मिलकर भी उठा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की भिवानी रैली के मंच से इस मांग को उठा कर समाज की मांग को पूरा करने की ओर इशारा किया। अब इसको लेकर जल्द ही उप मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे।

तारा चन्द, पूर्व सचिव, गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कुरुक्षेत्र।

डॉ. धर्मवीर लांग्यान, पूर्व,कार्यकारणी सदस्य, गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला, कुरुक्षेत्र

सभा के पूर्व सचिव तारा चन्द व पूर्व कार्यकारणी सदस्य डॉ. धर्मवीर लांग्यान ने कहा की उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला अपनी घोषणानुसार कुरुक्षेत्र में श्री गुरु रविदास जी महाराज का धाम बनाएं। जिसमे रविदासिया समाज की अथाह आस्था है।

बसवा का शिक्षक एवं शौर्य दिवस समारोह आज

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । नव वर्ष की पावन बेला पर बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया द्वारा शिक्षक एवं शौर्य दिवस समारोह का आयोजन पवन वाटिका कैथल में सुबह 9 बजे से किया जाएगा। जो देश की पहली शिक्षिका सावित्री भी फुले व फातिमा शेख के जन्मदिन दिन को समर्पित होगा। इस समारोह में पूर्व जज जरनैल सिंह, कुलदीप सिंह (आईपीएस) मुख्यातिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता डॉ कपूर सिंह (पूर्व एक्सईएन) करेंगे। समारोह में डॉ रविन्द्र बलियाला(पूर्व विधायक), बी.डी.भानखड़ (से.नि. मुख्य इंजी), अनिल चौहान(एक्सईएन जन स्वास्थ्य विभाग),वरुण कंसल(एक्सईएन पीडब्ल्यूडी,बी एंड आर) मुख्य वक्ता होंगे।

अर्थ तंत्र को गति देते बैंक

बैंकों का एनपीए अब तेजी से कम हो रहा है। बैंक को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, इसके जरिए ही अर्थव्यवस्था को गतिशील और मजबूत बनाया जा सकता है। जाहिर है, कर्ज वितरण में तेजी आने, सीडी अनुपात के सकारात्मक रहने और बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन में बेहतरी आने से भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले दिनों में और भी मजबूत होगी।

आज सभी देशों की एक दूसरे पर निर्भरता होने, यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहे युद्ध, कोरोना महामारी और वैश्विक स्तर पर भू-राजनैतिक संकट की स्थिति बनी होने के कारण ईंधन और कई उत्पादों की वैश्विक स्तर पर किल्लत हो गई है। विकसित देशों में भी महंगाई चरम पर पहुंच गई है। बावजूद इसके भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, क्योंकि बैंकिंग तंत्र मजबूत हो रहे हैं। भारत ने विगत वर्षों में न सिर्फ कोरोना जैसी खतरनाक महामारी पर जल्द काबू पाने में सफलता पाई, बल्कि केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक समयानुसार समीचीन कदम उठाकर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सफल रहे। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एएससीबी) के आंकड़ों के अनुसार 9 सितंबर को समाप्त हुए पखवाड़े में कर्ज की वृद्धि दर 16.2 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 6.7 प्रतिशत रही थी।

वहीं, 21 अक्टूबर 2022 को समाप्त हुए पखवाड़े में कर्ज की वृद्धि दर 17.9 प्रतिशत रही, जो कि 9 सालों का उच्चतम स्तर है। इस अवधि में राशि में वितरित ऋण 129 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया। ऋण वृद्धि; उद्योग, सेवा, व्यक्तिगत आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दर्ज की गई है। व्यक्तिगत और सेवा क्षेत्र में लगभग 20 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र में भी 12.6 प्रतिशत की मजबूत ऋण वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल, समान अवधि में इस क्षेत्र में 1.7 प्रतिशत की मामूली ऋण वृद्धि दर्ज की गई थी। सेवा क्षेत्र में वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 20 प्रतिशत की उच्चतम ऋण वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्षेत्र में 30.6 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि कारोबारी क्षेत्र में 21.3 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की गई है।

उद्योग क्षेत्र में उच्च ऋण वृद्धि; सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों में 30 प्रतिशत की वर्ष दर वर्ष के आधार पर हुई ऋण वृद्धि की वजह से मुमकिन हुई है। इस अवधि में बड़े उद्योगों में सिर्फ 7.9 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की गई है। ऋण वृद्धि लगभग सभी क्षेत्रों में हुई है। बुनियादी धातु, सीमेंट, कांच, निर्माण आदि क्षेत्रों में पिछले वर्ष की सामान अवधि में नकारात्मक ऋण वृद्धि दर्ज की गई थी। आलोच्य अवधि में लकड़ी, लकड़ी के उत्पाद, पेट्रोलियम, कोयला, कोयला के उत्पाद, उर्वरक, रसायन, रसायन के उत्पाद, लौह, बुनियादी धातु, धातु के उत्पाद, इस्पात, दूरसंचार आदि अवसंरचना के लगभग सभी क्षेत्रों में दोहरे अंक में ऋण वृद्धि दर्ज की गई है। ऋण ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद ऋण वितरण में वृद्धि होना इस तथ्य की पुष्टि करता है कि मांग और आपूर्ति दोनों में तेजी आ रही है।

मार्च 2020 की तुलना में एएससीबी ने 7 अक्टूबर को समाप्त हुए पखवाड़े में बैंक जमा में 27.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि इस अवधि में ऋण वृद्धि 25.2 प्रतिशत दर्ज की। वहीं, जमा-ऋण वृद्धि अनुपात या सीडी अनुपात 75 प्रतिशत के आसपास रहा। बड़े उद्योग और व्यक्तिगत ऋण की मांग में आई तेजी के कारण अप्रैल 2022 के बाद के महीनों में औसत वृद्धिशील सीडी अनुपात 117 प्रतिशत के आसपास के स्तर पर बनी हुई थी, जो अक्टूबर 2022 में बढ़कर 135 प्रतिशत हो गई। यहां यह बताना जरूरी है कि नियामकीय जरूरतों को पूरा करने की मजबूरी की वजह से बैंक 100 रुपए की जमा राशि में सिर्फ 77.5 रुपए का ही इस्तेमाल ऋण देने के लिए कर पाता है, क्योंकि बैंक को 4.5 प्रतिशत नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) और 18 प्रतिशत वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के लिए हर 100 रुपए में से 22.50 रुपए आरक्षित रखनी पड़ती है, ताकि बैंक के डूबने या दिवालिया होने पर इस राशि का इस्तेमाल जमाकर्ताओं की देनदारी को चुकाने के लिए किया जा सके।

इसके बाद भी बैंकों द्वारा उच्च स्तर के सीडी अनुपात को बनाए रखना इस बात का संकेत है कि बाजार में उधारी का उठाव बना हुआ है और आर्थिक गतिविधियों में मुसलसल तेजी आ रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 675 सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय परिणामों में बेहतरी आई है। इन्होंने 28 प्रतिशत का टॉप लाइन वृद्धि दर्ज की है। टॉप-लाइन वृद्धि उच्च सकल बिक्री या राजस्व संग्रह या आय को संदर्भित करती है। टॉप-लाइन वृद्धि का यह अर्थ हुआ कि कंपनी ने कुल बिक्री या राजस्व या आय में उच्च वृद्धि दर्ज की है। इसे टॉप लाइन इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसे कंपनी के आय विवरण में सबसे शीर्ष पर प्रदर्शित किया जाता है जो कंपनी अपना राजस्व या आय या बिक्री बढ़ाती है, उसे टॉप लाइन वृद्धि दर हासिल करने वाली कंपनी कहा जाता है। सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार आने की वजह भी बैंक है। कोरोना महामारी की वजह से कोर्पोरेट्स, सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्योगों के कामकाज ठप्प हो गए थे, लेकिन कोरोना महामारी का प्रभाव कम होते ही बैंकों ने उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध करवाई, जिसके कारण वे अल्प समय में रिकवरी करने में कामयाब रहे।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही या सितंबर तिमाही में सभी बैंकों ने शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनएमआई), शुद्ध लाभ और फंसे कर्ज (एनपीए) के पैमानों पर शानदार प्रदर्शन किया है। उदहारण के तौर पर भारतीय स्टेट बैंक ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई से सितंबर तिमाही में एकल आधार पर 13,265 करोड़ रुपए की शुद्ध लाभ अर्जित की है, जो पिछले साल की समान अवधि से 74 प्रतिशत अधिक है। वहीं, दूसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 88,734 करोड़ रुपए हो गई, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 77,689.09 करोड़ रुपए थी। पिछली तिमाही में स्टेट बैंक की शुद्ध ब्याज आय 13 प्रतिशत बढ़कर 35,183 करोड़ हो गई, जबकि एक साल पहले यह 31,184 करोड़ रुपए थी। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में स्टेट बैंक का एनपीए भी घटकर 3.52 प्रतिशत रह गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 4.90 प्रतिशत था। शुद्ध एनपीए का अनुपात भी घटकर कुल अग्रिम का 0.80 प्रतिशत रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.52 प्रतिशत था।

बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 59 प्रतिशत बढ़कर 3,313 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 2,088 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ था। बॉब की कुल आय वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 23,080.03 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 20,270.74 करोड़ रुपए थी। इसकी शुद्ध ब्याज आय भी 34.5 प्रतिशत बढ़कर 10,714 करोड़ रुपए हो गई। बॉब का एनपीए सितंबर 2022 के अंत में घटकर सकल अग्रिम का 5.31 प्रतिशत रह गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 8.11 प्रतिशत था। बॉब का शुद्ध एनपीए भी 2.83 प्रतिशत घटकर 1.16 प्रतिशत रह गया।

जरनैल रंगा

श्री गुरु रविदास जी का तीसरा विशाल कीर्तन दरबार सजा
जिसका जन्म हुआ उसका अंत भी निश्चित : प्रीत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास एतिहासिक अस्थान में तीसरा विशाल कीर्तन दरबार सजा। जिसमे श्री गुरु रविदास भजन मंडली ' बेगमपुरा ' से प्रीत रविदासिया ने संगत को श्री गुरु रविदास जी महाराज की बाणी से रुबरु कराया। जिसमे दूर दराज से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर श्री गुरु रविदास जी महाराज की पवित्र बाणी को श्रवण किया।

श्री गुरु रविदास जी महाराज की पवित्र बाणी 'जो दिन आवे सो दिन जाही' की व्याख्या करते हुए प्रचारक प्रीत रविदासिया ने कहा कि जिसका जन्म हुआ, उसका अंत भी निश्चित है, इस धरत पर सदा के लिए कोई नही रहता। चाहे कोई कितना बड़ा धनवान क्यों न हो, गरीब हो एक दिन सभी की राख की ढेरी बनेगी। गुरु साहब फरमाते हैं कि जीव बड़ी बड़ी आस बांध लेता है जमीन, जायदाद, महल , बंगले बना लेता है लेकिन प्रभु परमात्मा को याद नही करता। इंसान मौत को भूल जाता है विषय विकारों में लम्पट हो जाता है। संतों ने बताया की मरना सच और जीना झूठ है। इंसान अच्छाई की तरफ कम आता है लेकिन बुराई की ओर बिना कहे चल देता है। उन्होंने कहा की सभी इंसान को गुरु रविदास की बाणी को सुनकर अमल करना चाहिए तभी जन्म –मरण का चक्कर खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बस को ड्राइवर चलाता है उसी प्रकार इस शरीर का ड्राइवर मन है। अगर बस का ड्राइवर सो जाए तो सभी सो जाएंगे ऐसे ही अगर मन विषियों, लालसा, लालच के वश हो जाए तो शरीर का नाश हो जाता है, मन को नियंत्रित करने की युक्ति संत महात्मा बताते हैं। संत महापुरुष इंसान को प्रभु परमात्मा, वाहे गुरु, अल्ला से जुड़ने के लिए दिन – रात सत्संग, कीर्तन व समागमों द्वारा जागते रहते हैं।

सभा प्रधान सूरजभान नरवाल ने सभी श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी महाराज के संदेशों को सुनकर अमल करने और प्रेम आपस मे प्रेम, सदभाव से रहने व सेवा सिमरन करने के लिए प्रेरित किया। सभी श्रद्धालुओं का आभार जताया।

ईस अस्थान पर हर रोज सुबह शाम अमृतवाणी के जाप होते हैं और हर माह के दूसरे रविवार को विशाल कीर्तन दरबार सजाए जाते हैं जिसमे प्रीत रविदासिया टोहाना वाले श्रद्धालुओं को श्री गुरु रविदास जी महाराज की पावन बाणी से जोड़ते हैं और हर रविवार को बाणी प्रचारक बहन रीटा सोलखे व सहयोगियों द्वारा सप्ताहित कीर्तन का आयोजन किया जाता है। यह विशेष उपराला सभा की समस्त कार्यकारणी व बेगमपुरा टाईगर फोर्स के प्रयासों से संभव हो पाया है।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें । किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

ठसका मीरां जी में उनके महापरिनिर्वाण पर किया बाबा साहब को याद

गजब हरियाणा न्यूज

ईश्माालाबाद । खंड के गांव ठसका मीरां जी में डॉ. बीआर अंबेडकर मानव कल्याण समिति और गुरु रविदास सभा द्वारा मनाया गया भारतीय संविधान निर्माता भारत रतन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का 66 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। जिसमें गांव ठसका मीरां जी की सरपंच मीना कुमारी और ब्लॉक समिति मेंबर बलदेव सिंह जी मुख्य रूप से पहुंचे। जिन्होंने बाबा साहब जी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

समिति के प्रधान एवं प्रचारक धर्मपाल दास द्वारा बाबा साहिब भीमराव अंबेडकर जी के जीवन एवं उनके द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान पर चर्चा करते हुए कहा की बाबा साहेब द्वारा बताए गए मार्ग पर चलें। बाबा साहब ने बताया की शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो, और अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित बनाएं और पढ़ें और आगे बढ़े। इसके साथ साथ समाज में फैली अंधविश्वास कुरीतियां पाखंडवाद एवं नशा का त्याग करें।

जात-पात ऊंच-नीच भेदभाव को छोड़कर मानवतावादी समानता प्रेम भाईचारा से रहें।

उन्होंने कहा की भारत में जन्मे सभी संतों गुरु महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाएं और अमृतवाणी को पढ़ें इस उपलक्ष में गांव के गणमाननीय व्यक्ति उपस्थित रहे। जिसमें सोमनाथ रंगा, रजवंत लाल, बलबीर कुमार, हरविंदर सिंह, गुरदयाल सिंह, राम लाल, रोशन लाल, पंचायत मेंबर निर्मला देवी, अन्य साथी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड कर रहा है जन-जन को जागरूक

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसमें लोगों के साथ-साथ स्कूल के बच्चों ने भी बड़े उत्साह से भाग लिया और हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के द्वारा जैव विविधता संरक्षण कार्य की सराहना की। इस प्रदर्शनी में लगभग 30 से 35 स्कूलों ने हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के स्टॉल पर आये। यह प्रदर्शनी पंकज गोयल चेयरमैन एच.एस.बी.बी, घनश्याम शुक्ला मेंबर सेक्रेटरी ,गुरमीत सिंह साइंटिफिक ऑफिसर के मार्गदर्शन व देखरेख में लगाई गई थी। इस मौके पर जगदीश चंद्र आई.एफ.एस प्रधान वनरक्षक हरियाणा फॉरेस्ट , विनीत गर्ग फॉर्मर चेयरमैन ,रविंद्र धनकड़ डीएफओ कुरुक्षेत्र, गुरमीत साइंटिफिक ऑफिसर एच.एस.बी.बी ,डॉ शारदा गुप्ता ने प्रदर्शनी का दौरा किया व एचएसबीबी के कार्यों की प्रदर्शनी में सराहना की और साथ-साथ में जैव विविधता संरक्षण पर अपने विचार व सुझाव भी सांझा किए। कई अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी इस प्रदर्शनी का दौरा किया और अपने विचारों का आदान प्रदान किया। अलग-अलग जिलों से बीएमसी मेंबर भी इस प्रदर्शनी में आए और बोर्ड के कार्यों की प्रशंसा की इस प्रदर्शनी में बीडी एक्ट बीएमसी व पीवीआर से संबंधित फिल्में भी दिखाई गई। यह प्रदर्शनी मैडम अनुराधा शिक्षा एवं

जागरूकता अधिकारी के देखरेख में हुई। इसमें सुनील कुमार जिला समन्वयक कुरुक्षेत्र ,संदीप कुमार जिला समन्वयक करनाल, रेखा जिला समन्वयक ने जैव विविधता के महत्व ,खतरे व संरक्षण पर लोगों के साथ अपने विचार रखें और बोर्ड के कार्यों व गतिविधियों के बारे में लोगों को बताया। साथ ही जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों को बताया कि जैव विविधता ही जीवन है और हमें उसको बचाने के लिए आगे आना पड़ेगा।

बजीदपुर में डीईटीसी ने दिलाई सरपंच व पंचों को शपथ

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । खंड के गांव बजीदपुर को उप आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा गोद लिया हुआ है, इसलिए इस गांव में डीईटीसी राजकुमार ने नवनिर्वाचित सरपंच और पंचों को गोपनीयता और संविधान की पालना करने की शपथ दिलवाई। शनिवार को गांव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में ही शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जहां डीईटीसी राजकुमार ने सरपंच विक्रम सिंह, पंच जसविंद्र सिंह, गुरदित्ता, दविंद्र सिंह, नरेश कुमार, पूजा देवी, सुरजीतो देवी, संतोष देवी व रिंकू देवी को शपथ दिलवाई और उन्हें नए पद को ग्रहण करने पर बधाई भी दी। सरपंच विक्रम सिंह ने कहा की ग्रामीणें ने मुझे जो जिम्मेवारी सौपी है उसे पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभाने का काम करूंगा। जल्द ही गांव के विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करके जल्द ही गांव में विकास कार्य करवाए जाएगें। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव में साफ सफाई, शिक्षा व रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईस अवसर पर ग्राम सचिव देवेंद्र कुमार, महिंद्र सिंह, तलविंद्र सिंह, गुरमीत सिंह, जसविंद्र सिंह, यादविंद्र सिंह, जोगिंद्र सिंह, बलविंद्र सिंह, हुक्म चन्द, पाला राम, वीरेंद्र रॉय सहित सैंकड़ों ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित रही।

पुलिस का लेन-ड्राईविंग व गलत दिशा में चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान जारी

यातायात पुलिस ने एनएच-44 व एनएच-152 पर किए चालान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया के निर्देशानुसार लेन-ड्राईविंग व गलत दिशा में चलने वाले वाहन चालको के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। जिला की यातायात पुलिस द्वारा सडक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं । इन अभियान के तहत यातायात नियमों की उल्लघंना करने वाले विशेष रुप से लेन-ड्राईविंग व गलत दिया में चलने वाले वाहन चालकों के चालान किए जाते हैं।

पुलिस प्रवक्त नरेश कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान जिला यातायात पुलिस की टीमों द्वारा लेन-ड्राईविंग व गलत दिशा (रोंग साईड) में चलने वाले वाहनो चालकों के चालान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दिसम्बर माह के प्रथम 10 दिनों में 143 चालान गलत लेन में चलने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए।

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सडक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वे अपने वाहन को निर्धारित लेन व निर्धारित गति सीमा में ही चलाए। जिससे की सडक हादसों में कमी लाई जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सडकों पर सुचारु रुप से आवागमन हेतू यह अनिवार्य है कि

हम मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा बाईं लेन मे चले। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की उल्लघंना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है । अलग-अलग स्थानों पर पुलिसकर्मी आमजन के बीच रहकर यातायात नियमों की जानकारी दे रहें हैं। बस स्टैंड, आटो स्टैंड, ट्रक युनियन व शैक्षणिक संस्थानों में जाकर भी यातायात के नियमों के बारे में आमजन को जागरुक किया जा रहा है।

बाबा साहब को पंचकुला व जिला भर के गांवों में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

डॉ. अंबेडकर जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन व परिवार देश के लोगों के लिए न्योछावर कर दिया : मंजू गौतम

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

पंचकुला । मंजू गौतम (राष्ट्रीय संयोजिका) नेशनल एवं इंटरनेशनल बुद्धिस्ट सोसाइटी ने कहा की भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन व परिवार देश के लोगों की हकों की लड़ाई लड़ते लड़ते न्योछावर कर दिया। वे दिसम्बर को विश्व रतन बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्री गुरु रविदास भवन सेक्टर 15 व जिले के विभिन्न गांवों हगोंली,हंगोला, मौली जागरान, तथा खड़क मंगोली में ग्राम स्तरीय संस्थाओं के सहयोग से आयोजित कार्यक्रमों में अपने विचार व्यक्त कर रही थी। उन्होंने कहा की बाबा साहब द्वारा किए गए संघर्ष व समाज उत्थान के कार्यों से हर देशवासी को सीख लेनी चाहिए। अगर बाबा साहब नही होते तो भारत को दुनिया में कोई नहीं जानता। आज अगर देश का अस्तित्व है वो बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर की ही देन है। इस मौके पर बाबा साहब को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें विभिन्न संस्थाओं के युवाओं ने एवं महिलाओं ने अपनी अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए अपनी आस्था बाबा साहब के प्रति व्यक्त की। इन कार्यक्रमों के दौरान बाबा साहब के द्वारा किए गए संघर्ष एवं महान कार्यों को याद किया गया।

दिल्ली एमसीडी चुनाव में आप की धमाकेदार जीत व राष्ट्रीय पार्टी बनने पर अम्बाला में मनाया जश्न

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अम्बाला । दिल्ली एमसीडी चुनावों के आम आदमी पार्टी की रिकार्ड जीत व पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने की खुशी में जिला मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाईयां बांटी और नाच-गाकर जश्न मनाया।

शनिवार को डॉ कपूर सिंह के नेतृत्व में शहर में विजय संकल्प यात्रा निकाली गई। उत्तर हरियाणा एससी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ कपूर सिंह ने आप की दिल्ली में सरकार बनने की खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 15 साल बाद एमसीडी में जनता की जीत हुई है। उन्होंने एमसीडी चुनावों में आप की बंपर जीत व पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर पूरे प्रदेश की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा की हरियाणा प्रदेश में आप का जनाधार बढ़ रहा है, आने वाले विधानसभा चुनावों में हरियाणा प्रदेश में आप की सरकार बनेगी। जनता ने बहुत सालों तक काग्रेस को झेला अब करीब 8 सालों से भाजपा को झेल रही है। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार में कर्मचारी,उद्योगपति, किसान,मजदूर, अमीर, गरीब हर वर्ग परेशान है। प्रदेश की जनता भाजपा की असलियत समझ चुकी है जो 2024 के चुनावो में भाजपा को सत्ता से करेगी।

बाबा साहब को याद कर लगाया रक्तदान शिविर

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । श्री गुरू रविदास मन्दिर कमेटी की ओर से बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के 67 वें परिनिर्वाण दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस उपलक्ष पर संजीवनी ब्लड बैंक व मित्र फाउंडेशन यमुनानगर की टीम ने रक्तदाताओं को चिकित्सा की सेवाएं मुहैया कराई। जिसके चलते रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्तदान हुआ। खण्ड सरस्वती नगर व दूर दराज से लोगों ने रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व बाबा साहब अम्बेडकर को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डेरा बाबा लाल दास कपालमोचन आश्रम से गद्दी नशीन सन्त निर्मल दास, अम्बेडकर युवा मंच से संरक्षक मंदीप टोपरा, नवनियुक्त जिला परिषद सुमन गोलनी, बीएसपी नेता ब्रह्मपाल, नितिन मसाना, गुरू रविदास मन्दिर कमेटी भंभोली के प्रधान सुखदेव सिंह, सुशील कुमार, शमशेर सिंह, करमचंद व राजकुमार अन्य ने रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया और स्वयं रक्तदान कर लोगों को मानव सेवा के महत्व बारे अवगत करा कर रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

बाबा साहब के महापरिणिर्वाण पर की श्रद्धा सुमन अर्पित

बाबा साहब मात्र दलितों के नही पूरी मानवता के रक्षक: विजय

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अम्बाला । डॉ. बीआर अंबेडकर सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में 6 दिसम्बर को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अजीत सिंह चाहल प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ लॉ कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र व विजय कुमार पूर्व प्रधान अंबेडकर स्टूडेंट एसोसिएशन पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ शामिल हुए द्य

मंच का संचालन ट्रस्ट के सचिव बलविंद्र बराड ने किया। मुख्य वक्ता गण तथा संरक्षक व ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सबसे पहले बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विजय कुमार ने कहा की बाबा साहब केवल दलितों के ही नहीं बल्कि पूरे समाज के पूरे देश के या यूं कहा जाए कि पूरे संसार के मानवता के रक्षक हुए हैं तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज बहुत सारे देशों में बाबा साहब के नाम से भारत को जाना जाता है। बाबा साहब की विचारधारा समानता समरसता की रही है, उन्होंने समाज के हर एक वर्ग में नारी को सम्मान और शिक्षा के महत्व की अलख जगाई। बाबा साहब मानते थे कि यदि किसी समाज में उन्नति का स्तर देखना है तो वह उस समाज में

महिलाओं की स्तिथि से जाना जा सकता है यदि महिला पढ़ी लिखी है और उसे समाज में इज्जत दी जाति है तो उस समाज ने वाक्य ही प्रगति की है।

विशेष रुप से उपस्थित मुख्य वक्ता प्रोफेसर अजीत सिंह चहल ने बाबा साहब को नमन करते हुए हुए कहा की समाज को बाबा साहब ने कानून बनाकर जो शक्ति प्रदान की है। उन्होंने सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बाबा साहब की शिक्षाओं पर चलने के लिए समाज का आवाहन किया और कहा कि यदि हम बाबा साहब की शिक्षाओं को मानेंगे और उनके बताए हुए मार्ग पर चलेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब की समाज की पहचान केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सूर्य के प्रकाश की तरह जगमगाएगी। आज भारत में जो भी सुधार हो रहे हैं, चाहे वह पिता की संपत्ति में पुत्री का हिस्सा देश की प्रगति में महिलाओं का योगदान, यह सभी बाबा साहब की देन है। संगठन सचिव प्रोफसर अश्वनी ने भी अपने विचार रखे।

डॉ. बीआर अंबेडकर सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट की प्रधान प्रोफेसर श्रीमती निशा बुराक ने भीम नमन के तहत कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों से घर-घर भीम और हर घर भीम को पहुंचाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि आने वाली 14 अप्रैल तक हम हर एक घर में बाबा साहब का स्वरूप और बाबा साहब की शिक्षाओं के लिए उनके द्वारा लिखित कितने पहुंचाएंगे। उन्होंने मीडिया के साथियों से भी आग्रह किया कि वह देशवासियों को बताएं कि बाबा साहब की सोच देश में समानता और भाईचारा लाने की थी। आज बहुत सारे राजनीतिक दल बाबा साहब की विचारधारा का पालन करने में लगे हैं। व मानने लगे हैं कि बाबा साहब केवल दलितों के ही नेता नहीं थे, बल्कि पूरे वंचित समाज के नेता थे। महिलाओं के उत्थान के लिए उनका योगदान अतुल्य रहा। प्रोफेसर निशा बराक ने आज के दिन एक मुख्य कैंपेन हर घर भीम की शुरुआत की और कार्यक्रम में शिरकत कर रहे सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने घर में बाबा साहब का स्वरूप लगाएं और पढ़ने वाले बच्चों को बाबा साहब का लिटरेचर उपलब्ध करवाएं ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि बाबा साहब कितने महान नेता हुए हैं यूं ही नहीं उनको सिंबल ऑफ नॉलेज का खिताब संसार में मिला है वाक्य ही वह शिक्षा के लिए समर्पित व देश भक्त थेद्य जिन्होंने देश में समानता लाने की पूरी कोशिश की और अन्याय के आगे कभी नहीं झुके।

ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश कुमार ने कार्यक्रम में आए हुए समाज के सभी लोगों का आभार प्रकट किया और विशेष रूप से कार्यक्रम में शिरकत करने वाली नारी शक्ति को नमन किया। जिन्होंने अपने व्यस्त समय से इतना समय निकाला।

चेयरमैन साहब ने सभागार में उपस्थित बच्चों को बाबा साहब के बारे में पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया और उन्होंने मीडिया बंधुओं के माध्यम से समाज को आग्रह किया कि हर कोई बाबा साहब के बारे में पढ़ें, ताकि समाज में बाबा साहब के बारे में जो भ्रांतियां फैलाई गई उनसे लोग मुक्त हो सके और बाबा साहब के बारे में अपनी सोच को बदल सकते।

मघरपूरा में एक अध्यापक के सहारे स्कूल

अध्यापकों के अभाव के चलते विद्यार्थियों को आ रही पढ़ाई करने में समस्या

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । खंड सरस्वती नगर (मुस्तफाबाद) के गांव मघरपुर में हरियाणा सरकार के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 6,7,8 में शिक्षकों के अभाव के चलते बच्चों की शिक्षा का स्तर गिरकर दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है। स्कूल में तीनों कक्षाओं को पंजाबी अध्यापिका द्वारा पढ़ाया जा रहा है, अतिरिक्त अध्यापिका पिछले सप्ताह तबादला हो जाने पर संबंधित पद खाली पड़ा है।अध्यापक का उपलब्ध न होना समस्त स्कूल व स्कूल के बच्चों के लिए गहरी चिन्ता का विषय बना हुआ है। समस्या से अवगत कराते हुए पंजाबी विषय की अध्यापिका ने बच्चों के प्रति गहरा दुःख व संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि स्कूल में अध्यापकों के अभाव के चलते अकेले अध्यापक द्वारा बच्चों को पढ़ाना व संभालना बहुत मुश्किल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बारे खंड शिक्षा अधिकारी सरस्वती नगर को बहुत बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। अभिभावक भी अपने बच्चों को लेकर बहुत चिंतित है क्यूंकि बच्चों की शिक्षा का स्तर काफ़ी प्रभावित हो चुका है। जिसके चलते बच्चे पढ़ाई पूरी तरह नहीं कर पा रहे। बच्चों के मानसिक विकास में कमजोर होने का सबसे बड़ा कारण स्कूली विभाग द्वारा अध्यापकों की पूर्ति न करना है। जहां स्कूल प्रबंधन अध्यापकों की कमी करके चिंतित है वहीं सबसे बड़ी चिंता बच्चों के विषयों से जुड़े अध्यापकों का न होना भी है। और इन सबसे बड़ी चिन्ता शिक्षा विभाग का आलस ही है जिन्हें देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चों के भविष्य की कतई भी चिन्ता नहीं है। उन्होंने कहा की शिक्षा विभाग हरियाणा व खंड शिक्षा अधिकारी सरस्वती नगर (मुस्तफाबाद) को जल्द ही इस समस्या का जायज़ा लेकर अध्यापकों के अभाव की पूर्ति करने का काम जल्द किया जाना चाहिए। जिससे की देश भर में गिर चुके सरकारी स्कूलों का स्तर फिर से उठाया जा सके।

खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनीता त्यागी ने बताया कि अध्यापकों की सेवानिवृति हो रही है जिसके चलते अध्यापकों की कमी है जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा।

बाबासाहेब भारतवर्ष की मूल्यवान धरोहर : हितेंद्र चौधरी

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अम्बाला। श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट हितेंद्र चौधरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस अंबाला शहर में बाबा साहेब के 65 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उपरांत उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव राम जी अंबेडकर एक महान भारतीय राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, कानून के ज्ञाता, शोषित, वंचित, पिछड़ों, महिलाओं, मजदूरों के पक्ष में न्याय दिलवाने वाले सामाजिक न्याय के पुरोधा थे। बाबा साहब को शोषित, दलित, वंचित तक सीमित करना जातिगत मानसिकता का परिचायक है बाबासाहेब पूरे भारतवर्ष की मूल्यवान

धरोहर हैं।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष यश पाल सदोपुर,प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी अमरजीत सारंगपुर,पूर्व में विधानसभा प्रत्याशी निर्मल नडियाली, अमरजीत माजरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला उत्पीड़न के विरुद्ध जागरूकता सेमिनार का हुआ आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । प्रधान डाक घर कुरुक्षेत्र में कार्यस्थल पर महिला कर्मचारी उत्पीड़न के विरुद्ध जागरूकता व इस बचाव संबन्धित मुद्दों को लेकर 6 दिसम्बर को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एडवोकेट सुदेश कुमारी, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता ने मुख्य अतिथि व वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया। मंच का संचालन कुलवंत सिंह ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर द्वारा किया गया।

सबसे पहले कुरुक्षेत्र मंडल के अधीक्षक तारा चंद शर्मा, मधुबाला, कमलेश मित्तल, मीनू शर्मा, प्रतिभा मित्तल, अरुणा, ऋचु बरकी, सुमन लता, ममता वर्मा, जसपाल कौर ने मुख्य अतिथि का बुक्के व फूलमाला देकर स्वागत किया गया।

एडवोकेट सुदेश कुमारी ने कार्यस्थल पर महिला कर्मचारी उत्पीड़न बारे विस्तार से चर्चा से पहले डा. भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि देकर नाम किया जिनके कारण भारत में महिला हित के कानूनों की शुरुआत हुई । उन्होने बताया कि किस तरह से शुरुआत में इस तरह के अपराधों से बचा जा सकता है या इस तरह के अपराधों को पनपने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा की महिला कर्मचारियों का आपस में तालमेल आवश्यक है व सीनियर महिला कर्मचारियों को जूनियर महिला कर्मचारियों से मिलकर रहना चाहिए। यदि कोई साथी गुमसुम या अकेलापन महसूस करे तो उससे व्यक्तिगत बातचीत की जाये। कोई पुरुष कर्मचारी साथी बार बार अनचाही हरकते करें तो उसे आगाह किया जाये । जहां तक संभव हो कार्यस्थल पर गहन अकेलेपन की जगहों पर अकेले ना जाएँ या दूसरी महिला साथी के साथ जाएं। उन्होंने कहा की आफिस के समय के बाद देर तक अकेले ना रुकें या अति आवश्यक होने पर दूसरी महिला साथी के बगैर न रुकें । आफिस के प्रभारी की भी जिम्मेवारी है कि इस तरह के हालातों में अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों को विशेष ख्याल रखें। प्रशासन की अनदेखी किसी भी तरह से तर्कसंगत नहीं है और इस कारण यदि कोई गंभीर अपराध होता है तो विभागीय कार्यवाही के साथ साथ पुलिस की सहयता हेतु एफआईआर अलग से दर्ज कारवाई जाये और ये कार्य पीड़ित की सहमति से परिवार का सदस्य या कोई और भी करवा सकता है। कार्यस्थल पर एक भाई चारा व वैमनस्य रहित माहौल बनाए रखने के लिए महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए किसी भी कानून का गलत इस्तेमाल ना होने दिया जाये, जिसकी देखरेख लोकल कमेटी या सीनियर कर्मचारी साथियों को लेनी चाहिए।

तारा चंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर एक स्वच्छ व भयरहित माहौल पैदा करना हम सबकी जिम्मेवारी है और यदि इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होती है तो इसपर तुरंत व निष्पक्ष कार्यवाई होगी ।

इस अवसर पर सहायक अधीक्षक विकास रेलहन, सुनीता, नैना, रूपिंद्र , प्रतिभा, कमलेश, निशा, ऋचु, पुजा, नेहा, ममता, परवेश इत्यादि महिला कर्मचारियों के साथ साथ कृष्ण कुमार डाकपाल, प्रधान डाकघर, कुरुक्षेत्र प्रधान डाक घर, सुरेश पंचाल उपडाकपाल, मुकेश शर्मा, संजीव, सुभाष, ओमबीर इत्यादि बहुत से कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की

जय गुरुदेव जी

माया दीपकु पेखि करि, नर पतंग अंधियाये ।।
रविदास गुरु रा ज्ञान जिनु, बिरला का बचि जाय ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि माया रुपी दीपक को देखकर जीव रुपी पतंगा उसकी और आकर्षित होकर मारा जाता है । कोई बिरला जीव ही गुरु के ज्ञान के साथ माया के प्रभाव से बच पाता है ।

धन गुरुदेव जी

चित

जिस प्रकार अच्छी तरह से छाये हुए छप्पर में या घर की छत ठीक हो तो उसमें वर्षा का पानी प्रवेश नहीं कर सकता, उसी प्रकार ध्यान-भावना से ओत-प्रोत चित्त में राग आदि दोष प्रवेश नहीं कर पाएंगे।

धम्मपदं गाथा-14

यथागारं सुच्छन्नं, वुट्ठी न समतिविन्झति ।।
एवं सुभावितं चित्तं, रागो न समतिविज्झति ।।

तथागत कहते हैं- घर के छप्पर पर अच्छी तरह से इंतजाम नहीं किया गया हो, आधुनिक युग की बात करें तो सीमेंट, लोहे, रोड़ी से पक्के मकान की छत अच्छी तरह मजबूत या वाटर प्रूफ नहीं करवाई गई हो तो वर्षा का पानी कहीं न कहीं से छेद या तरार में से अंदर घुस ही जाता है। किंतु ध्यान साधना से छाये हुए चित्त में, सुरक्षित मन में राग जैसा विकार प्रवेश नहीं करता।

राग घुसता है इसका अर्थ यह है कि चित्त का छप्पर ठीक नहीं बनाया, ध्यान की छत छेद वाली है, तरार वाली है या वाटर प्रूफ साधनों से मजबूत नहीं की गई है। राग (attachment, passion यानी किसी के प्रति तीव्र लगाव, चिपकाव, लालसा, मोह.

इसलिए चित्त में विकारों के प्रवेश को रोकने के लिए ध्यान अभ्यास पर जोर देते हैं वर्षा के पानी को गलत मत कहो, ध्यान साधना पर जोर दो, राग तो अपने आप ही मिट जाएगा। इसलिए घर की छत को ठीक कर लो। अंधेरे को कोसने से कोई लाभ नहीं, अपने मार्ग के लिए दीया जला दो। यही सुख शांति का मार्ग है। यही सनातन सत्य है, यही धम्म है।

मनुष्य चारों ओर से भौतिक चकाचौंध, विलासिता, विषय बाजार से घिरा हुआ है। मन में विषय-वासनाएं भरी हुई हैं, हर पल नई इच्छाएं पैदा होती है, एक पूरी हो तो दूसरी तैयार हो जाती है, सारा वातावरण कुसंगति से भरा हुआ है। ऐसे में मन में राग न आएगा तो क्या आएगा? लेकिन राग को रोकने का तथागत ने सुदृढ़ मार्ग ध्यान अभ्यास बताया है।

यदि व्यक्ति ध्यान अभ्यास करेगा, एकांत में चिंतन मनन करेगा, अध्ययन और विचार करेगा, शरीर और संसार की अनित्यता की अनुभूति करेगा, मन को वश में करने का अभ्यास करेगा, विकारों को दूर कर मन को निर्मल करेगा, सदाचार का जीवन जीएगा तो मन में विषय विकार नहीं घुस पाएंगे।

सबका मंगल हो ... सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुतिः डॉ. एम. एल. परिहार, जयपुर

वोट का अधिकार

कुछ वर्ष पहले तक ब्रिटेन में भी मजदूरों की हमारे जैसी ही दयनीय स्थिति थी। 1860 तक वे इस उम्मीद पर चुपचाप बैठे थे कि लिबरल उनका उद्धार करेंगे। लेकिन यह समझ में आने पर कि जो दूसरों पर निर्भर रहा वह डूबा जो जिसने जी-जान से मेहनत की वह सफल हुआ, इस तरह से प्रेरित हो उन्होंने अपना उद्धार स्वयं करने का फैसला किया। अपने इस काम के लिए उन्होंने वोट के अधिकार को महत्वपूर्ण स्थान दिया था और उस अधिकार को पाने के लिए अपनी सारी ताकत लगा दी । आखिरकार उनकी जीत हुई और वे सत्तारूढ़ हुए और अपनी सोच के अनुरूप सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुधार कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि वोट का अधिकार बड़े पैमाने पर हासिल हुआ। यदि हमने इस ढंग से कोशिश की तो हम भी प्रगति कर सकते हैं।

डॉ. बाबासाहब आम्बेडकर
(खंड-38 पृष्ठ-20)

चमड़े की धोती

कभी किसी ने एक घमण्डी साधु को चमड़े की धोती दान में दे दी जिसे पहन कर वह साधु अपने को अन्य साधुओं से श्रेष्ठ समझाने लगा।

एक दिन वह उसी वस्त्र को पहन कर भिक्षाटन के लिए घूम रहा था। रास्ते में उसे एक बड़ा सा जंगली भेड़ मिला। वह भेड़ पीछे को जाकर अपना सिर झटक-झटक कर नीचे करने लगा। साधु ने समझा कि निश्चय ही वह भेड़ झुक कर उसका अभिवादन करना चाहता था, क्योंकि वह एक श्रेष्ठ साधु था; जिसके पास चमड़े के वस्त्र थे।

तभी दूर से एक व्यापारी ने साधु को आगाह करते हुए कहा: 'हे ब्राह्मण! मत कर तू विश्वास किसी जानवर का; बनते है; वे तुम्हारे पतन का कारण, जाकर भी पीछे वे मुड़ कर करते हैं आक्रमण।'

राहगीर के इतना कहते-कहते ही उस जंगली भेड़ ने साधु पर अपने नुकीले सींग से आक्रमण कर नीचे गिरा दिया। साधु का पेट फट गया और क्षण भर में ही उसने अपना दम तोड़ दिया।

करनाल व पानीपत में पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।
92551-03233

अहोभाव

अपने जन्मदिन पर दिया गया परमगुरु ओशो का प्रवचनः(11 DEC 1970)

उस दिन से आपका जन्म शुरू हुआ जिस दिन से यह जिंदगी व्यर्थ दिखाई पड़नी शुरू हो जाए, उस दिन मैं कहूंगा आपकी असली जिंदगी शुरू हुई। आपका असली जन्म शुरू हुआ। और इस तरह के आदमी को ही द्विज, ट्वाइस बॉर्न। जनेऊ डालने वाले को नहीं। क्योंकि जनेऊ तो किसी को भी डाला जा सकता है।

द्विज हम कहते रहे हैं उस आदमी को जो इस दूसरी जिंदगी में प्रवेश कर जाता है। एक जन्म है जो मां-बाप से मिलता है वह शरीर का ही हो सकता है। कि और जन्म है जो स्वयं की खोज से मिलता है वही जीवन की शुरुआत है। इस जन्मदिन पर, मेरे तो नहीं कह सकता। क्योंकि मैं तो जीसस, बुद्ध और लाओत्से से राजी हूं।

लेकिन इस जन्मदिन पर जो कि अ, ब, स, द किसी का भी हो सकता है।

आपसे इतना ही कहना चाहता हूं कि एक और सत्य भी है। उसे खोजें। एक और जीवन भी है यहीं पास, जरा मुड़ें तो शायद मिल जाए। बस किनारे पर, कोने पर ही। और जब तक वह जीवन न मिल जाए, तब तक जन्मदिन मत मनाएं। तब तक सोचें मत जन्म की बात। क्योंकि जिसको आप जन्म कह रहे हैं, वह सिर्फ मृत्यु का छिपा हुआ चेहरा है। हां, जिस दिन जिसको मैं जन्म कह रहा हूं, उसकी आपको झलक मिल जाए, उस दिन मनाएं। उस दिन फिर प्रतिपल जन्म है, क्योंकि उसके बाद फिर जीवन ही जीवन है-शाश्वत, अनंत; फिर उसका कोई अंत नहीं है। ऐसे जन्म की यात्रा पर आप निकलें, ऐसी परमात्मा से प्रार्थना करता हूं... !!

अरे मैं हूं आनंद..आनंद है मेरा..
एक मैं ही हूं कहीं कुछ नहीं है।
ये पर्दा द्वंद का जो हटा के जो देखा तो बस
एक मैं हूं कहीं कुछ है ही नहीं है।
न दुःख है न सुख है न शोक कुछ भी..मस्ती

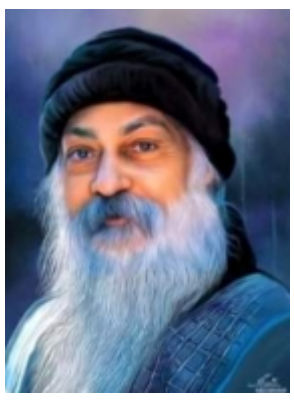

में मस्ती मस्ती नहीं है।
ये सागर ये लहरे ये ओर बुलबुलें ।
कल्पित है जल के सिवा कुछ नहीं है। प्रकृति मे बिखरी छटाएं घटाएं सब जाल हैं..एक तेरे सिवा कुछ है ही नहीं है.. !!
बुद्ध पुरुष स्वयं, प्रमाण हैं ईश्वर का..
'ओशो
जिंदगी समझ में न आये तो मेले में अकेला..
और समझ में आ जाये तो अकेले में मेला.. !

भारतीय संविधान : भाग और अनुच्छेद न.232 से 260

अध्याय 6. अधीनस्थ न्यायालय
अनुच्छेद 233 : जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
अनुच्छेद 233क : कुछ जिला न्यायाधीशों की नियुक्तियों का और उनके द्वारा किए गए निर्णयों आदि का विधिमान्यकरण
अनुच्छेद 234 : न्यायिक सेवा में जिला न्यायाधीशों से भिन्न व्यक्तियों की भर्ती
अनुच्छेद 235 : अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण
अनुच्छेद 236 : निर्वचन
अनुच्छेद 237 : कुछ वर्ग या वर्गों के मजिस्ट्रेटों पर इस अध्याय के उपबंधों का लागू होना
भाग 7: पहली अनुसूची के भाग ख के राज्य
भाग 8: संघ राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 239 : संघ राज्यक्षेत्रों का प्रशासन
अनुच्छेद 240 : कुछ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए विनियम बनाने की राष्ट्रपति की शक्ति
अनुच्छेद 241 : संघ राज्य क्षेत्र के लिए उच्च-न्यायालय
अनुच्छेद 243 : पंचायत नगर पालिकाएं एवं सहकारी समितियां
अनुच्छेद 244 : अनुसूचित क्षेत्रो व जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन
अनुच्छेद 245 : संसद द्वारा राज्यों के विधान मंडलों द्वारा बनाई गई विधियों का विस्तार.
अनुच्छेद 246 : संसद द्वारा और राज्य के विधान मंडलों द्वारा बनाई गई विधियों की विषयवस्तु.
अनुच्छेद 247 : कुछ अतिरिक्त न्यायालयों की स्थापना का उपबंध करने की संसद की शक्ति.
अनुच्छेद 248 : अवशिष्ट विधाई शक्तियां
अनुच्छेद 249 : राज्य सूची में के विषय के संबंध में राष्ट्रीय हित में विधि बनाने की संसद की शक्ति.
अनुच्छेद 250 : यदि आपात की उदघोषणा प्रवर्तन में हो तो राज्य सूची में के विषय के संबंध में विधि.
अनुच्छेद 251 : संसद द्वारा अनुच्छेद 249 और अनुच्छेद 250 के

अधीन बनाई गई विधियों और राज्यों के विधान मंडलों द्वारा बनाई गई विधियों में असंगति.
अनुच्छेद 252 : दो या अधिक राज्य के लिए सहमति से विधि बनाने की संसद की शक्ति
अनुच्छेद 253 : अंतरराष्ट्रीय करारों को प्रभावी करने के लिए विधान.
अनुच्छेद 254 : संसद द्वारा बनाई गई विधियों और राज्यों के विधान मंडल द्वारा बनाए गए विधियों में असंगति
अनुच्छेद 255 : सिफारिशों और पूर्व मंजूरी के बारे में अपेक्षाओं को केवल प्रक्रिया के विषय मानना.
अनुच्छेद 256 : राज्यों की और संघ की बाध्यता
अनुच्छेद 257 : कुछ दशाओं में राज्यों पर संघ का नियंत्रण
अनुच्छेद 258 : कुछ दशाओं में राज्यों को शक्ति प्रदान करने आदि की संघ की शक्ति.
अनुच्छेद 258क : संघ को कृत्य सौंपने की राज्यों की शक्ति.
अनुच्छेद 260 : भारत के बाहर के राज्य क्षेत्रों के संबंध में संघ की अधिकारिता.

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होती महिलाएँ

आपदाओं के बाद, जलवायु परिवर्तन से लिंग-आधारित हिंसा में बढ़ोत्तरी, बाल विवाह के मामलों में वृद्धि, मृत बच्चे को जन्म, मातृत्व और नवजात शिशु सम्बन्धी ख़राब परिणाम,यौन व प्रजनन स्वास्थ्य में व्यवधान और गर्भनिरोधक उपायों की सीमित सुलभता, महिलाओं के यौन उत्पीड़न, हिंसा का शिकार होने और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करने की संभावना अधिक होती है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महिलाओं की भूमिका देखे तो महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप से जल संचयन और भंडारण, खाद्य संरक्षण और राशनिंग और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित ज्ञान और कौशल विकसित किया है। भेद्यता को कम करने के लिए इस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है।

-प्रियंका सौरभ

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विभिन्न समूहों और समुदायों में महसूस किया जाता है, हालांकि, यह प्राकृतिक संसाधनों पर भारी निर्भरता, उच्च गरीबी स्तर, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच की कमी आदि के कारण महिलाओं के लिए अनुपातहीन रूप से अधिक है। बाढ़ जैसी चरम जलवायु घटनाओं में और सूखे का विशेष रूप से गरीब महिलाओं पर अधिक प्रभाव पड़ेगा जो सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर विनाशकारी प्रभाव भी पैदा कर सकता है।

एशिया और अफ्रीका में जलवायु परिवर्तन के चलते पुरुषों को अपने खेतों को छोड़कर काम-धंधे की तलाश में शहरों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। जिससे घर पर रहने वाली महिलाओं पर काम का दबाव बढ़ रहा है। चूंकि पुरुषों के पलायन के बाद महिलाएं घर पर अकेली रह जाती हैं और उन्हें अकेले ही अपने बच्चों और खेतों का ध्यान रखना होता है7 यही वजह है कि वो विषम परिस्थितियों में अपना जीवन जीने को मजबूर हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है।

महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव बढ़ सकता है लैंगिक असमानता महिलाएं मछली पकड़ने, कृषि, बागवानी आदि जैसी आजीविका पर अधिक निर्भर हैं जो जलवायु परिवर्तन से खतरे में हैं। जलवायु परिवर्तन की घटनाओं में वृद्धि से महिलाओं की उत्पादकता और आय में कमी आएगी जिससे लैंगिक असमानता का स्तर बढ़ेगा।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित घटनाएं जैसे सूखा और बाढ़ उस जगह को रहने योग्य नहीं बनाती हैं जिससे कमजोर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के समूह का विस्थापन हो सकता है। हालांकि, इससे महिलाओं के प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के आधार पर, जलवायु परिवर्तन से विस्थापित होने वाले लोगों में 80त्न महिलाएं हैं।

महिलाएं सूखे और पानी की कमी से भी अधिक प्रभावित होती हैं, अक्सर दूर के जल संसाधनों की यात्रा करने और अपने परिवारों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए घर लौटने का महत्वपूर्ण समय बिताने का बोझ वहन करती हैं। पूर्वी अफ्रीका में, सूखे के कारण चरवाहे किसानों को पानी खोजने के लिए काफी आगे की यात्रा करनी पड़ी है।

जलवायु परिवर्तन कृषि की उत्पादकता को कम करता है जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता है। भोजन की कमी के समय लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन उपलब्ध कराए जाने की संभावना अधिक होती है, इस प्रकार वे कुपोषण और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं, विशेष रूप से वेक्टर जनित रोग जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अधिक प्रचलित हैं।

आपदाओं के बाद, महिलाओं के यौन उत्पीड़न, हिंसा का शिकार होने और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करने की संभावना अधिक होती है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महिलाओं की भूमिका देखे तो महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप से जल संचयन और भंडारण, खाद्य संरक्षण और राशनिंग और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित ज्ञान और कौशल विकसित किया है। भेद्यता को कम करने के लिए इस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, अफ्रीका में बूढ़ी महिलाएं अपने विरासत में मिले ज्ञान और शुरुआती चेतावनियों और आपदाओं के प्रभावों को कम करने से संबंधित विशेषज्ञता के साथ ज्ञान पूल का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिक्षा और कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों जैसे महिला समूहों का लाभ उठाया जा सकता है जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अनुकूलन रणनीति विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

महिलाएं प्राकृतिक आपदाओं के लिए सामुदायिक प्रतिक्रियाओं में पहली प्रतिक्रिया के रूप में कार्य कर सकती हैं और अपने समुदायों की वसूली के बाद की जरूरतों में योगदान कर सकती हैं। जमीनी स्तर के महिला संगठनों के माध्यम से जलवायु निवेश को आगे बढ़ाया जा सकता है।

अनुकूलन पहलों को विशेष रूप से जल, खाद्य सुरक्षा, कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और संघर्ष से संबंधित क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के लिंग-विशिष्ट प्रभावों की पहचान और पता करना चाहिए। महिलाओं की प्राथमिकताओं और जरूरतों को विकास योजना और वित्त पोषण में प्रतिबिंबित होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन की पहल के लिए संसाधनों के आवंटन के संबंध में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं को हिस्सा बनना चाहिए।

अनुकूलन, शमन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों में लिंग-संवेदनशील निवेश सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। अनुदान देने वाले संगठनों और दाताओं को विकास करते समय महिला-विशिष्ट परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन से संबंधित प्रौद्योगिकियों को शुरू करना और आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करना जो महिलाओं को लाभ उठाने और उनका उपयोग करने से रोक सकता है।

महिलाएं अभी भी एक बड़े पैमाने पर अप्रयुक्त संसाधन हैं। प्रतिबंधित भूमि अधिकार, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच की कमी, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी, और राजनीतिक निर्णय लेने वाले क्षेत्रों तक सीमित पहुंच अक्सर उन्हें जलवायु परिवर्तन से निपटने में पूरी भूमिका निभाने से रोकती है। महिलाएं जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन के लिए महत्वपूर्ण हैं और उन्हें निर्णय लेने में शामिल होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन का पुरुष के मुकाबले महिला की सेहत पर ज्यादा बुरा असर हो रहा है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मृत्यु और उनको लगनेवाली चोट की दर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में दो-तिहाई ज्यादा है। महिलाओं की सामाजिक स्थिति और सांस्कृति बाधाएं, जलवायु परिवर्तन से होनेवाली दिक्कतें उनकी मौत के अधिक ज़िम्मेदार हैं। तेजी से बदलती जलवायु न्याय और समानता से जुड़ा एक ज़रूरी विषय है। जलवायु परिवर्तन के कारण बड़ी संख्या में लड़कियां और महिलाएं अपने मौलिक अधिकारों से तो वंचित हो ही रही हैं साथ ही आकस्मिक मृत्यु का भी सामना कर रही हैं।

महिलाओं को सशक्त बनाने और पर्यावरण के स्वास्थ्य को संतुलित करने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को नेतृत्व पदों पर होना बेहद जरूरी है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जारी लड़ाई में महिलाओं की कितनी अहम भूमिका है इसे भी समझना ज़रूरी है।

-प्रियंका सौरभ

कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
हिसार

घर घर से निकलेगा सर्जन डाक्टर अजय वर्धन फिल्म युवाओं के करेगी सपने पूरे

फिल्म की प्रमोशन करने के लिए चंडीगढ़ से डाक्टरों की टीम पहुंची कुरुक्षेत्र

*** डाक्टरों ने फिल्म को बताया मनोरंजन से भरपूर और युवाओं को करेगी इनकरेज**

*** लाईन प्रोडशयूर डॉ. अजय रोमिल ने फिल्म की रूपरेखा और कहानी और विषय पर**

विस्तार से दी जानकारी फिल्म में

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । घर घर से निकलेगा सर्जन डॉक्टर अजय वर्धन फिल्म का प्रमोशन करने के लिए चंडीगढ़ से पहुंची डाक्टरों की टीम ने पिपली पैराकीट मोटल में फिल्म की रूपरेखा, कहानी और विषय पर प्रकाश डाला और बताया कि फिल्म दर्शकों को मोटीवेट करने वाली है। फिल्म में भरपूर मनोरंजन के साथ साथ युवाओं को इनकेज करने का मादा है। डॉ. अजय ने बताया कि डॉ. अजय वर्धन फिल्म एक ऐसे किरदार की कहानी हैं जो अपने बाप के सपने को पूरा करना चाहता है कि उसका बेटा डाक्टर बने। फिल्म की कहानी एक गरीब बाप के बच्चे की कहानी है। जिसके पिता की बचपन में ही मौत हो जाती है और बेटा अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए गांव से शहर जाता है और अपने बाप के सपने को डाक्टर बन कर पूरा करता है।

डॉ. दीपांशु ने बताया कि डॉक्टर अजय वर्धन घर घर से निकलेगा सर्जन के थीम पर आधारित फिल्म है। फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। यह फिल्म समाज को एक संदेश देने का काम करेगी और युवाओं को डाक्टर बनने के प्रति भी प्रेरित करेगी। फिल्म एक मीनिंग फुल फिल्म है। फिल्म में दर्शाया गया है कि जीवन भले ही छोटा हो लेकिन उच्च मूल्य को हो। हर माता पिता अपने बच्चे को डॉक्टर बनाना चाहता है। बस इसके लिए मेहनत की जरूरत है।

डॉक्टर रूपांशी जिलानी जो मूल रूप से हरियाणा के भिवानी की रहने वाली है और जिसने डॉक्टर अजय वर्धन फिल्म में बतौर एक डॉक्टर की भूमिका निभाने का काम किया है। वे बताती हैं कि एक मां अपने बच्चे को डॉक्टर बनाने के लिए शहर भेजती है लेकिन मां को अपने बच्चे को भेजने में डर भी लगता है, लेकिन कोई डरने वाली बात नहीं है। इस फिल्म में यही दिखाया गया है कि हम भी डॉक्टर बन सकते हैं।

डॉक्टर पारवी ने बताया कि फिल्म मूल्यों पर आधारित है। फिल्म कंपलीट मूवी है। युवाओं को फिल्म में इनकेज करने का प्रयास किया गया है। फिल्म को हर वर्ग के लोग अपने परिवार के साथ देख सकते हैं। फिल्म में दिखाने का प्रयास किया गया है कि चाहे मुकाम कितना भी बड़ा हो, मेहनत से हासिल किया जा सकता है।

डॉ अजय रोमिल बताती हैं कि इस फिल्म में बताया गया है कि लाइफ में जो कुछ करना चाहता है, वह उसे हासिल कर सकता है । फिल्म की कहानी शिक्षाप्रद है। उन्होंने बताया कि फिल्म चंडीगढ़ के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अजय पर बनाई गई है। जिसमें अभिनेता की भूमिका रोमिल चौधरी ने निभाई है। फिल्म का फाइनल सुपरविजन मशहूर वालीवुड निर्माता निर्देशक दुष्यंत प्रताप सिंह ने किया है, जबकि संगीत मोंटी शर्मा और इंद्राणी मुखर्जी की मधु धुनों से किया गया है, जो दर्शकों को खूब पसंद आएगा। फिल्म की निर्देशक प्रगति हैं।

शिवधाम सेवा समिति ने किया सुरेंद्र सैनी का स्वागत

वार्ड में शिक्षा व चिकित्सा पर रहेगा उनका मुख्य फोकस : सुरेंद्र सैनी

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । जिला परिषद के वार्ड नंबर 10 से निर्वाचित पार्षद कुसुमलता के प्रतिनिधि सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा का रविवार को धुराला में शिवधाम सेवा समिति द्वारा स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में शिवधाम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा को विश्वास दिलाया कि वार्ड में होने वाले विकास कार्यों के लिए उनको सहयोग दिया जाएगा। सेवाधाम समिति की ओर से कैप्टन कृपाल सिंह, डॉ. हरिचंद बंसल, रामकरण सैनी, मामचंद गुर्जर, पाला राम नंबरदार, लेखराज सैनी ने सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा का वहां पहुंचने पर फूलमालाओं के साथ स्वागत किया। सुरेंद्र सैनी ने शिवधाम सेवा समिति द्वारा किए गए स्वागत पर आभार जताते हुए कहा कि पिछले दिनों संपन्न हुए जिला परिषद के वार्ड नं0 10 से चुनाव में उनकी पत्नी कुसमलता को जो समर्थन व सहयोग दिया, उसकी बदौलत ही उनकी पत्नी को विजय मिली है।

उन्होंने शिवधाम सेवा समिति के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वार्ड में विकास कार्यों के लिए उनसे विचार विमर्श कर कार्य को किया जाएगा। इसके अलावा शिवधाम सेवा समिति में भी जो कार्य अधूरे हैं, उन्हें भी पूरा किया जाएगा। वार्ड में चहुंमुखी विकास कराया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि वार्ड का चहुंमुखी विकास हो और वार्ड जिले का नंबर वन वार्ड बने। उन्होंने कहा कि वे वार्ड में सभी गांवों के दौरे कर रहे हैं। इस दौरान वे ग्रामीणों की समस्याएं जान रहे हैं। समस्याएं जानने के बाद इनका प्राथमिकता के आधार पर निदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वार्ड में शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर उनका मुख्य ध्यान रहेगा।

इस मौके पर गांव के सरपंच सतपाल सिंह ने भी सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा का स्वागत करते हुए कहा कि वार्ड में होने वाले विकास कार्यों के लिए उन्हें उनकी ओर से पूरा सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर संजू गुर्जर, पूर्व सरपंच राजेंद्र गुर्जर, पंच रोकी सैनी, कृष्ण, प्रवीण कुमार, मोनू, रोहित, सुशील कुमार, राहुल, अजय आदि मौजूद रहे।

सडक हादसे में जिला बार के अधिवक्ता व ट्रक चालक की मौत

अधिवक्ता शुक्रवार की देर रात कार से लौट रहा था कुरुक्षेत्र से गांव खैरी

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । थाना सदर के अंतर्गत पिपली-लाडवा मार्ग पर गांव मथाना के समीप रेत से भरे ट्रक की चपेट में आने से जिला बार के अधिवक्ता व ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसा 10 दिसम्बर रात करीब 12ः15 बजे हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक गांव खैरी निवासी अधिवक्ता अश्वनी कौशिक कार में सवार होकर कुरुक्षेत्र से अपने गांव खैरी जा रहा था। रास्ते में गांव मथाना के समीप सिंगला राइस मिल के सामने लाडवा की ओर से आ रहे रेत से भरे ट्रक ने अधिवक्ता की कार में टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान ट्रक चालक पटियाला के समाना के वार्ड नंबर चार निवासी बलवीर सिंह अपना संतुलन खो बैठा और ट्रक सडक किनारे खाद्यानों में जा गिरा। ट्रक में भरी रेत ट्रक केबिन को फाड़ कर अंदर भर गई, जिसमें ट्रक चालक दब गया और उसकी भी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए हैं। अधिवक्ता की मौत के बाद अधिवक्ता के गांव खैरी में मातम का माहौल है। सदर थाना पुलिस प्रभारी निर्मल सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के नाम रही क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भारत को जानो प्रतियोगिता के चैथे चरण में भी गुरुकुल कुरुक्षेत्र के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिसे लेकर गुरुकुल के छात्रों में हर्ष का माहौल है। छात्रों की सफलता पर गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक कर्नल अरुण दत्ता, प्राचार्य सूबेप्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने विजेता छात्रों सहित विज्ञान विभागाध्यक्ष सुशील कुमार को बधाई दी।

जानकारी देते हुए निदेशक कर्नल अरुण दत्ता ने बताया कि 11 दिसम्बर को गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में भारत विकास परिषद् द्वारा क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली जोन से 5 टीमें और हरियाणा जोन से 4 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को कायम रखते हुए गुरुकुल कुरुक्षेत्र के चिराग व दिव्यांश की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विजेता छात्रों को ट्राफी व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में असमानता को दूर किया: शांतनु शर्मा

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के अंदर हर वर्ग को दिलाए उनके हक व अधिकार

डॉ. भीमराव अंबेडकर एक व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि एक आंदोलन थे : स्वामी संपूर्णानंद

समाज का भला करने के लिए बाबा साहेब ने सब कुछ लगा दिया था दांव पर: रामभगत लांगयान

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में असमानता को दूर किया। इसके साथ साथ उन्होंने संविधान बनाकर देश के हर वर्ग को हक व अधिकार दिलाने का काम किया। उनके द्वारा संदेश दिया गया कि हम सब एक हैं। समाज के लोगों को अपनी जिम्मेवारी के प्रति भी उन्होंने आगाह किया और बताया कि सभी मनुष्य बराबर हैं, लेकिन अभी भी उनका सपना अधूरा है। उनके सपने को पूरा करने के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। वे शनिवार को सेक्टर 8 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश में असमानता को दूर करने के लिए सामाजिक समरसता के साथ साथ अनेक आंदोलन चलाए। डॉ. भीमराव अंबेडकर हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं। उनके द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार ही देश चल रहा है। आज जरूरत है कि हम उनके बताए हुए संदेशों पर चलें।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में संबोधन देते हुए स्वामी संपूर्णानंद ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक आंदोलन थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा अधिकार है, जिसके बलबूते पर कोई भी मुकाम हासिल कर सकते हैं। इसलिए शिक्षित होना जरूरी है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आर सी वर्मा ने भी डॉ. भीमराव अंबेडकर को एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज में अनेकों कुरीतियों को दूर करने का काम किया।

अंबेडकर भवन के प्रधान सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. रामभगत लांगयान ने विस्तार से डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि कितनी विषम परिस्थितियों में उन्होंने शिक्षा ग्रहण की और एक उच्च मुकाम हासिल किया। बाबा साहेब ने सरकारी नौकरी नहीं की, बल्कि उन्होंने समाज की सेवा की और हमेशा कौम का ख्याल रखा। समाज का भला करने के लिए उन्होंने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। इस मौके पर मुख्यातिथि उपायुक्त शांतनु शर्मा को अंबेडकर भवन की ओर से स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। अंबेडकर भवन की ओर से गरीब महिलाओं को उपायुक्त शांतनु शर्मा के हाथों कंबल वितरित किए गए।

इस मौके पर डॉ. सी आर जिलोआ, केडीबी सदस्य केसी रंगा, एस पी सिरोहा, जसपाल मेहरा, रामचंद राठी, श्याम लाल, अजमेर सिंह, तारा चंद तंवर, जिले सिंह सभ्रवाल, शूगर मिल के डायरेक्टर बलदेव कल्याण एडवोकेट, लख्मी चंद, सुशीला तंवर, डा प्रदीप रंगा, जगतार सिंह, जयपाल सिंह, सुनीता सिंह, मुख्तयारा राम भोला, रामेश्वर ग्रोवर, मेहर चंद आदि मौजूद रहे।

38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन सम्पन्न

देश विदेश से पहुंचे दलित साहित्यकार, पत्रकार, कवि समाजसेवी, समाज सुधारक, नेतागण, व कलाकार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

दिल्ली । भारतीय दलित साहित्य अकादमी का दो दिवसीय 38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन 11 -12 दिसम्बर को पंचशील आश्रम झड़ौदा (बुराडी बाई पास) आउटर रिंग रोड दिल्ली में आयोजित किया गया । अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इस राष्ट्रीय महासम्मेलन में भारत देश के अलावा, इटली,नेपाल, यूएई, इंग्लैण्ड, अमेरिका, मॉरीशस आदि विदेशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सोहनपाल सुमनाक्षर की अध्यक्षता में लितोत्थान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश विदेशों के समाजसेवीयो, नेताओ,अधिकारियों, कर्मचारियों को उनके क्षेत्र विशेष में किये गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए विभिन्न राष्ट्रीय अवार्डों से नवाजा गया।

वहीं देश भर से महानुभावों ने सम्मेलन में विभिन्न राजनीतिक दलों के राजनेता ने भाग लेकर दलितों की दशा व दिशा पर विचार विमर्श किया। सम्मेलन में पूर्व यूनियन मंत्री(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री) डॉ सत्यनारायण जटिया व भारतीय रेलवे बोर्ड के चेयरमैन माननीय रमेशचंद्र रत्न मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के साथ कार्य करनेवाले वयोवृद्ध वरिष्ठ नेता मा. संघप्रिय गौतम पूर्व यूनियन मन्त्री भारत सरकार, मा. बबनराव गोलप्प पूर्व सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता मन्त्री महाराष्ट्र सरकार , पूर्व स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा को डॉ एमएल रंगा, आचार्य रतनलाल सोनाग्रा विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र सेलवाल ने बताया कि इस बार हरियाणा प्रदेश में राज्य स्तर पर दलित पिछडों व गरीबों के हित मे असाधारण व अभिनव कार्यो के उत्कृष्ट योगदान के लिये डॉ. रेणु डिप्टी सेक्रेटरी हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड पंचकूला को 'डॉ अम्बेडकर सेवा राष्ट्रीय पुरस्कार ' से नवाजा गया। डॉ रेणु को यह पुरस्कार मुख्य अतिथि माननीय एडवोकेट रमेशचंद्र रत्न चेयरमैन रेलवे बोर्ड व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सोहनपाल सुमनाक्षर के कर कमलों द्वारा दिया गया।

इसके अतिरिक्त दलितोत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने के लिये हरियाणा के शिक्षाविद डॉ सुरेन्द्र कुमार सेलवाल को बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक समता, न्याय और बन्धुता के मिशन को आगे बढ़ाने के लिये 'डॉ अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार' से नवाजा गया। पुरस्कार में शील्ड, प्रशस्ति -पत्र व शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में डॉ सुरेन्द्र सेलवाल ने संघ लोक सेवा आयोग की तरह, न्यायालयों में न्यायाधीशों को नियुक्तियों के लिए भारतीय न्यायायिक आयोग गठन की आवश्यकता क्यों, और कैसे? पर महत्वपूर्ण व्यक्तव्य दिया। जिसका करतल ध्वनियों से स्वागत किया गया। डॉ सेलवाल ने आह्वान किया कि अब समय आ गया है, जब संसद में न्यायिक आयोग गठन के लिए अध्यादेश लाया जाये ।

सम्मेलन में सांसद हेमंत गोडसे, पूर्व मंत्री संघ प्रिय गौतम, माननीय बबन राव गोलप पूर्व सामाजिक न्याय मन्त्री महाराष्ट्र, डॉ केसरी वर्मा वाइस चांसलर रविशंकर शुक्ला विश्विद्यालय रायपुर, वाइस चांसलर डॉ रमेशचन्द्र, आचार्य रत्नलाल सोनागरे, राष्ट्रीय महासचिव जय सुमनाक्षर, यू पी की अध्यक्ष डॉ लालती देवी,राजस्थान से प्रदेशाध्यक्ष, महामंडलेश्वर स्वामी आत्माराम उपाध्याय, पंजाब से तीर्थ तोंगरिया,जम्मु कश्मीर से (पूर्व राज्यपाल बाबु परमानंद के पी ए रहे) सचिव डॉ विजयभगत, कर्नाटक से सुभाष कर्नाडे ,लखनऊ यूनिवर्सिटी के डॉ कालीचरण स्नेही , महासचिव अमन डीगवाल, राजेन्द्र पंजाब, राजेन्द्र छोक्कर पलवल व देश विदेश से विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े अनेक अधिकारी, शिक्षक,प्राध्यापक, नेता, कर्मचारी, बुद्धिजीवियों सहित बड़ी संख्या में देशभर के विभिन्न हिस्सों से सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पार्टी बनने पर आप कार्यकर्ताओं ने निकाली विजय यात्रा

बोल : महज 10 वर्षों में आप पार्टी बनी राष्ट्रीय पार्टी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय पार्टी बनने पर जिला के कार्यकर्ताओं ने विजय यात्रा निकाली। यात्रा में आप के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल खुब्बड़ ने कहा कि देश में हजारों राजनैतिक दल बने हैं, लेकिन गिनी चुनी पार्टी ही राष्ट्रीय पार्टी बन पाई है। महज 10 वर्षों में इस मुकाम तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। देश के लोगों से आम आदमी पार्टी को जो प्यार मिल रहा है वो इस बात की गवाही है कि लोग अरविंद केजरीवाल को राष्ट्रीय नेता के रुप में पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप का राष्ट्रीय पार्टी बनना ये भी बताता है कि लोग देश में स्कूलों, अस्पतालों और मूलभूत सुविधाओं की राजनीति देखना चाहते हैं, ना कि ब्यानबाजी की।

जिला चेयरमैन अधिवक्ता जवाहर गोयल व जिलाध्यक्ष मेवा राम आर्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता इस राजनीति को देश के हर प्रदेश के एक-एक घर तक लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी बनने से आम आदमी पार्टी की पहचान तो बड़ी हुई ही है, साथ ही हमारी भूमिका और जिम्मेदारी भी बड़ी है। प्रवक्ता सुमित हिंदुस्तानी ने कहा कि कट्टर ईमानदारी, कट्टर देशभक्ति और इंसानियत की अपनी छवि को पार्टी और मजबूत करके आगे बढाएगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बलबीर सैनी, आप पार्टी के वरिष्ठ प्रवीण चौधरी, पार्टी के प्रचार सचिव नरेश जोगी, मान सिंह बचगांव, बीर सिंह बिहोली, अमन गुप्ता, ईश्वर सिंह अमीन, रोशन लाल धीमान सहित अनेक पार्टी के अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्ट्रीट लाइटें दिन में जली रहती हैं, रात के समय रोड पर अंधेरा

पिपली से कुरूक्षेत्र रोड पर दिन में जलती लाइटें

लाडवा रोड पर बंद लाइटें

गजब हरियाणा न्यूज

पिपली । कुरुक्षेत्र रोड पर स्ट्रीट लाइटें दिन में जली रहती हैं बल्कि कई बार रात के समय रोड पर अंधेरा छाया रहता है। प्रशासन का इसकी तरफ ध्यान नहीं है। जबकि पिपली-लाडवा रोड पर करीब पांच वर्ष पहले लाखों रुपए खर्च कर लाइटें लगाई गई थी, जो अभी तक चालू नहीं की गई। लाडवा रोड पर शाम होत ही अंधेरा छा जाता है और ऐसे में रोड पर हादसे हो जाते हैं। इस रोड पर बेसहारा घूमने वाले पशुओं की तादाद भी ज्यादा है इसलिए कई बार रोड से गुजरने वाले वाहन चालकों को पशु दिखाई नहीं दिखते और बेसहारा पशु वाहनों से टकरा जाते हैं। पिछले दिनों कई हादसे भी बेसहारा पशुओं के कारण हुए हैं जिनमें लोग चोटिल हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से इन लाइटों को शुरू करने की अपील की है।

डॉ.चमन सैनी ने कहा की लाडवा रोड पर लाइटें तो कई वर्षों से लगी हुई हैं लेकिन अभी शुरू नहीं की गई। जिसके कारण हादसे हो रहे हैं चोर सक्रिय हैं। प्रशासन लाइटों को चालू करवाए।

डॉ चमन सैनी

देवी चन्द नंबरदार

जसविंद्र सिंह

वेद पोपली

देवी चन्द नंबरदार ने कहा की सरकार ने जनता की सुविधा के लिए लाडवा रोड पर लाइटें लगवाई थी जो प्रशासन की अनदेखी के चलते बंद है। सरकार जल्द लाडवा रोड पर बंद पड़ी इन लाइटों को चालू करवाया जाए।

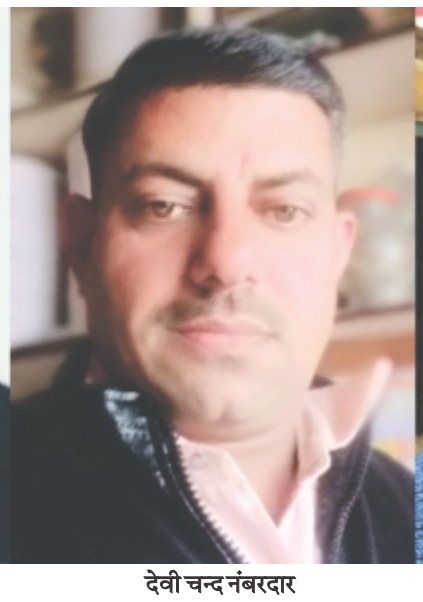

जसविंद्र सिंह ने कहा कि उनकी लाडवा रोड पर खराद की दुकान हैं। सरकार ने लाइटें लगा दी लेकिन इन्हें अभी तक चालू नहीं कया गया जिससे शाम को यहां अंधेरा छा जाता है पिछले दिनों अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात चोर उसकी दुकान के बाहर से पाइप चोरी कर ले गए और उससे पहले भी चोरी की वारदातें हो चुकी हैं जबकि आसपास दुकानों में सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए थे लेकिन अंधेरा होने की वजह से अज्ञात चोर सीसीटीवी में कैद नहीं हो पाए थे इसलिए प्रशासन इन लाइटों को चालू करवाया जाना चाहिए।

वेद पोपली ने कहा कि लाडवा रोड ऐसा रोड हैं जिससे रोज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, राजस्थान के लिए वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। कई बार रात को अंधेरे में गौवंश सड़क पर वाहनों के आगे अड़ आते है जिससे वाहन चालकों को जान माल से हाथ धोने पड़ते हैं।

सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पेंसरी में मरीजों की निशुल्क होगी फिजियोथेरेपी

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । फिजियोथेरेपी के महंगे इलाज से लोगों को राहत मिलेगी। सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पेंसरी शीला नगर में मरीजों की सुविधा के लिए फिजियोथेरेपी फ्री में की जाएगी। जानकारी देते हुए सदस्य जितेंद्र अरोड़ा ने बताया कि इससे मरीजों को बहुत लाभ मिलेगा। कहा कि डिस्पेंसरी का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों तक इलाज पहुंचाना है। डिस्पेंसरी में चिकित्सक सुबह 9 से 2 बजे तक और 4 से 6 बजे तक सेवाएं देते है। उन्होंने बताया कि डिस्पेंसरी में आंख, दांत, गर्भाशय से जुड़ी बीमारियों के इलाज भी किया जाता है। डिस्पेंसरी में टेस्ट बाजार से आधे दामों में किए जाते है। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मनप्रीत ने बताया दर्द से छुटकारा पाने के लिए दवा लेना ही काफी नहीं है। इसके अलावा भी थैरेपी है, जो बिना दवा के भी दर्द से मुक्ति दिलाती है। फिजियोथैरेपी ऐसी ही एक थेरेपी है। फिजियोथैरेपी को फिजिक्स ट्रीटमेंट भी कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की ही एक शाखा है। इसमें इलाज की एक अलग पद्धति है। एक्सरसाइज, हाथों की कसरत, पेन रिलीफ मूवमेंट द्वारा दर्द को दूर किया जाता है। इस थेरेपी का उद्देश्य रोग के कारण को जानकर उस रोग से मरीज को मुक्त करना होता है। फिजियोथेरेपी से होने वाले लाभ बारे डा. मनप्रीत ने बताया कि शारीरिक समस्याओं को नियंत्रित करने और उन्हें रोकने में फिजियोथेरेपी के उपयोग के कई लाभ हैं। जैसे दर्द बिल्कुल कम या समाप्त हो जाता है। मांसपेशियों का लचीलापन और शक्ति पुनः स्थापित हो जाती है। जोड़ों का लचीलापन बढ़ता है और उनकी गति सामान्य हो जाती है। शरीर की ऊर्जा और सहनशीलता भी बढ़ती है। मानसिक शांति बढ़ाने में, शारीरिक सक्रियता और दर्द से राहत देने में यह थैरेपी कारगर होती है। मांसपेशियों का संतुलन और समन्वय बढ़ता है। शारीरिक सक्रियता बढ़ जाती है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले में 40 छात्र-छात्राओं का हुआ चयन

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुरुक्षेत्र के प्रधानाचार्य एवं सहायक शिक्षुता सलाहकार जगमोहन ने कहा कि डीजीटी भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन सुबह 9 बजे से 5 बजे तक किया गया। इस शिक्षुता मेले में कुल 12 कंपनियों डीजीटी शिक्षुता मेला पोर्टल पर पंजीकृत हुई व 7 ने भाग लिया। इस शिक्षुता मेले में विभिन्न ट्रेडों के कुल 140 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसमें से 40 छात्र-छात्राओं का चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया। इस मेले में गणपति ऑटो ट्रेडर्स, एमपी पॉवर, इन्कॉस वूडटच, बाबरा इंजीनियरिंग वर्क्स, नागपाल एंटरप्राइज, फूजी ग्लोबल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, क्लासिक इंटीरियर, भारत फाइनेंसियल इनकल्युसन लिमिटेड आदि कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस शिक्षुता मेले की अपार सफलता के लिए प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुरुक्षेत्र के द्वारा संस्थान के सभी कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर जेएपीओ सतीश कुमार, शिक्षुता अनुदेशक ब्रहमपाल, शिक्षुता अनुदेशक नरेश पाल आदि भी मौजूद थे।

GAJAB HARYANA

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311